SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Forest Range Officer Grade I — Ranger (Rajasthan)

वन क्षेत्रीय अधिकारी — जिसे सामान्यतः रेंजर कहा जाता है — वन विभाग की एक पूरी रेंज का प्रभारी अधिकारी होता है। एक रेंज में कई वन खंड आते हैं, और उनमें वन की सुरक्षा, वृक्षारोपण एवं वनीकरण, वन्यजीव संरक्षण, अवैध कटाई एवं शिकार पर...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-forest-range-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

वन क्षेत्रीय अधिकारी — जिसे सामान्यतः रेंजर कहा जाता है — वन विभाग की एक पूरी रेंज का प्रभारी अधिकारी होता है। एक रेंज में कई वन खंड आते हैं, और उनमें वन की सुरक्षा, वृक्षारोपण एवं वनीकरण, वन्यजीव संरक्षण, अवैध कटाई एवं शिकार पर नियंत्रण, वन अपराधों की जाँच एवं अभियोजन, वन उपज का प्रबंधन, तथा वन के किनारे बसे गाँवों के साथ संयुक्त वन प्रबंधन — यह सब इसी पद के अधीन आता है। यह पद वर्दीधारी है और इसके साथ वन अधिनियम के अंतर्गत क़ानूनी अधिकार भी जुड़े हैं। काम का बड़ा भाग बाहर है, प्रायः दुर्गम क्षेत्रों में और कभी-कभी रात में गश्त पर। राजस्थान की दृष्टि से यह पद विशेष महत्त्व रखता है, क्योंकि राज्य में रणथंभौर, सरिस्का एवं केवलादेव जैसे संरक्षित क्षेत्र हैं, मरुस्थल का अपना पारिस्थितिक तंत्र है, और वन क्षेत्र पर दबाव भी लगातार बना रहता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन, कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस, पर्यावरण विज्ञान, उद्यानिकी, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी अथवा प्राणी विज्ञान में से किसी एक विषय सहित स्नातक; अथवा कृषि, वानिकी अथवा अभियांत्रिकी में स्नातक (सेवा नियम 2015, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: वन
आयु-सीमा	18 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 2015) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	50% सीधी भर्ती, 50% पदोन्नति से (वन क्षेत्रीय अधिकारी ग्रेड-II से, 5 वर्ष के अनुभव पर)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- वन, वन्यजीव एवं प्रकृति में गहरी रुचि
- नेतृत्व एवं दल का संचालन
- बाहर, क्षेत्र में रहकर काम करना

क्षमताएँ

- शारीरिक क्षमता एवं सहनशक्ति — नियमों में ऊँचाई एवं सीने की माप निर्धारित है
- दबाव एवं टकराव की स्थिति में निर्णय लेना
- दुर्गम क्षेत्र एवं रात में भी काम करने की तत्परता

ज़रूरी कौशल

- वन प्रबंधन, वृक्षारोपण एवं वनीकरण
- वन अधिनियम एवं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत जाँच एवं अभियोजन
- मानचित्रण, जी.आई.एस. एवं वन सर्वेक्षण
- दल का नेतृत्व — वनपाल, सहायक वनपाल एवं वन रक्षक इसी के अधीन आते हैं
- वन्यजीव संरक्षण एवं गणना
- गश्त, अग्नि नियंत्रण एवं अतिक्रमण की रोकथाम
- संयुक्त वन प्रबंधन एवं वन-ग्रामों के साथ काम

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान से उत्तीर्ण करें।
2. स्नातक करें, और यहाँ विषय का चुनाव निर्णायक है। नियम में दो रास्ते हैं: या तो स्नातक में इनमें से कम से कम एक विषय हो — पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन, कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस, पर्यावरण विज्ञान, उद्यानिकी, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी अथवा प्राणी विज्ञान; या फिर कृषि, वानिकी अथवा अभियांत्रिकी में स्नातक की डिग्री हो। सामान्य कला अथवा वाणिज्य की डिग्री इस पद के लिए पात्रता नहीं देती।
3. शारीरिक मानक पूरे करें, क्योंकि वे नियमों में लिखे हैं और छूट सीमित है। पुरुष अभ्यर्थी: ऊँचाई 163 सेमी, सीना 84 सेमी सामान्य एवं 5 सेमी फुलाव। महिला अभ्यर्थी: ऊँचाई 150 सेमी, सीना 79 सेमी सामान्य एवं 5 सेमी फुलाव। अनुसूचित जनजाति तथा नियमों में नामित कुछ जातियों एवं क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम ऊँचाई में छूट है — पुरुषों के लिए 152 सेमी। तैयारी शारीरिक रूप से जल्दी शुरू करें; यह वह शर्त है जिसे परीक्षा के बाद नहीं बनाया जा सकता।
4. दो वैकल्पिक विषय चुनें और उन्हें स्नातक के समय से ही ध्यान में रखें — परीक्षा में दो ऐच्छिक विषय लेने होते हैं, और उनका स्तर भारतीय वन सेवा की परीक्षा के बराबर रखा गया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि तैयारी की गहराई विश्वविद्यालय स्तर से ऊपर चाहिए, और यू.पी.एस.सी. की भारतीय वन सेवा परीक्षा की सामग्री यहाँ उपयुक्त सामग्री है।
5. आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

6 आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें, लिखित परीक्षा दें, और उसके बाद व्यक्तित्व परीक्षण में सम्मिलित हों।

प्रमुख परीक्षाएँ

- परीक्षा योजना नियमों में दी गई है (नियम 27 एवं उससे संलग्न पाठ्यक्रम), इसलिए यहाँ जो लिखा है वह आधिकारिक पाठ से है। दो अनिवार्य विषय हैं — सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अंग्रेज़ी, प्रत्येक 100 अंक का; और दो ऐच्छिक विषय, प्रत्येक 200 अंक का। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए तीन घंटे। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को व्यक्तित्व एवं मौखिक परीक्षा में सम्मिलित होना होता है, जो अधिकतम 75 अंकों की है।
- यहाँ एक नियम ऐसा है जिसे विषय चुनने से पहले पढ़ लेना आवश्यक है, क्योंकि बाद में उसे बदला नहीं जा सकता। अभ्यर्थी निम्नलिखित समूहों में से किसी एक समूह के एक से अधिक विषय नहीं ले सकता: (i) कृषि, कृषि अभियांत्रिकी एवं पशु चिकित्सा विज्ञान; (ii) रासायनिक अभियांत्रिकी एवं रसायन; (iii) कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस एवं कंप्यूटर अभियांत्रिकी; (iv) विद्युत अभियांत्रिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी; (v) गणित एवं सांख्यिकी। अर्थात् गणित एवं सांख्यिकी दोनों की तैयारी करके दोनों को ऐच्छिक के रूप में नहीं लिया जा सकता।
- उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी में दिए जा सकते हैं, पर किसी एक प्रश्न-पत्र को आंशिक रूप से दोनों भाषाओं में लिखने की अनुमति नहीं है।
- ऐच्छिक विषयों की सूची चौदह विषयों की है: कृषि, वनस्पति विज्ञान, रसायन, कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस, अभियांत्रिकी (कृषि/रासायनिक/सिविल/कंप्यूटर/विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक्स/यांत्रिक), पर्यावरण विज्ञान, वानिकी, भूविज्ञान, उद्यानिकी, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी, पशु चिकित्सा विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान।
- नियमों में यह भी स्पष्ट लिखा है कि इन विषयों का स्तर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित भारतीय वन सेवा परीक्षा के प्रचलित स्तर के बराबर रहेगा। यह वाक्य तैयारी की दिशा तय कर देता है: यह राज्य-स्तरीय परीक्षा है, पर उसका स्तर अखिल भारतीय सेवा की परीक्षा के समान रखा गया है, इसलिए सामग्री भी उसी स्तर की पढ़नी होगी।
- भर्ती का ढाँचा भी जान लें: यह पद 50% सीधी भर्ती एवं 50% पदोन्नति से भरा जाता है, और पदोन्नति वन क्षेत्रीय अधिकारी ग्रेड-II के पद पर 5 वर्ष के अनुभव पर होती है। इसी अनुसूची में नीचे वनपाल का पद है, जो 50% सीधी भर्ती से भरता है और जिसके लिए केवल वरिष्ठ माध्यमिक की शर्त है — जो अभ्यर्थी स्नातक की विषय-शर्त पूरी नहीं करते, उनके लिए वन विभाग में प्रवेश का वह अलग रास्ता है।

- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government colleges and state universities — B.Sc. with botany, zoology, chemistry, geology, mathematics or environmental science — राजस्थान के सभी संभाग (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan agricultural universities — B.Sc. Agriculture, Forestry and Horticulture — बीकानेर, जोबनेर, उदयपुर (https://raubikaner.org/)
- Forest Research Institute, Dehradun — the national institution for forestry — देहरादून, उत्तराखंड (https://fri.icfre.gov.in/)
- District sports stadiums and school grounds — free preparation for the physical standards — ज़िला मुख्यालय एवं ब्लॉक

ऑनलाइन

- वन विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://forest.rajasthan.gov.in/)
- UPSC Indian Forest Service — the syllabus the rules set this examination equal to — संघ लोक सेवा आयोग (https://upsc.gov.in/)
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change — भारत सरकार (https://moef.gov.in/)

- India Code — the Indian Forest Act and the Wild Life (Protection) Act — भारत सरकार (https://www.indiacode.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

स्नातक की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालयों एवं कृषि विश्वविद्यालयों में कम शुल्क पर हो जाती है, और इस पद के लिए आवश्यक विषय — वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन, भूविज्ञान, गणित, पर्यावरण विज्ञान — सामान्य बी.एससी. के ही विषय हैं, इसलिए किसी विशेष एवं महँगे पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं। शारीरिक तैयारी पर कोई खर्च नहीं आता और वह गाँव के रास्ते अथवा विद्यालय के मैदान पर हो जाती है — यही इस पद की सबसे सस्ती और सबसे महत्त्वपूर्ण तैयारी है। परीक्षा की तैयारी के लिए सबसे उपयुक्त सामग्री यू.पी.एस.सी. की भारतीय वन सेवा परीक्षा की है, क्योंकि नियम ने स्तर वही रखा है, और उस परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं पिछले प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्ध हैं। परीक्षा शुल्क कुछ सौ रुपये है, आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजस्थान के वन प्रभागों की रेंज — रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा, केवलादेव एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों सहित; रेंज कार्यालय, नाके, वन चौकियाँ, नर्सरी एवं वृक्षारोपण क्षेत्र, तथा वन से लगे गाँव।

कार्य-संस्कृति

यह वर्दीधारी, क्षेत्र-आधारित एवं ज़िम्मेदारी वाला पद है, और उसका जीवन बाकी सरकारी नौकरियों से भिन्न है। नियुक्ति प्रायः दूरस्थ स्थानों पर होती है, आवास रेंज मुख्यालय पर मिलता है, और काम के घंटे नियमित नहीं रहते — आग लगने, अवैध कटाई अथवा वन्यजीव के गाँव में आ जाने की सूचना समय देखकर नहीं आती। रेंजर के पास वन अधिनियम के अंतर्गत अधिकार होते हैं और वह वनपाल, सहायक वनपाल एवं वन रक्षकों के दल का नेतृत्व करता है, इसलिए यह प्रशासनिक पद भी है, केवल तकनीकी नहीं। टकराव इस काम का यथार्थ है: अवैध कटाई, अतिक्रमण एवं खनन से जुड़े हित शक्तिशाली होते हैं, और उनके विरुद्ध कार्यवाही करनी पड़ती है। इसके बदले में यह उन थोड़े पदों में है जहाँ काम का परिणाम दशकों तक दिखता है — जो वन आपने बचाया अथवा लगाया, वह आपके सेवानिवृत्त होने के बाद भी खड़ा रहेगा। जिन्हें प्रकृति में रहना और शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन चाहिए, उनके लिए इससे उपयुक्त सरकारी पद कम हैं।

कौन नौकरी देता है

- वन विभाग, राजस्थान — वन प्रभाग एवं रेंज
- बाघ परियोजना एवं संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन
- वन्यजीव विंग एवं राष्ट्रीय उद्यान
- सामाजिक वानिकी एवं वृक्षारोपण योजनाएँ

माँग (2026)

वन विभाग का ढाँचा स्थायी है और हर वन प्रभाग में कई रेंज होती हैं, इसलिए इस संवर्ग की आवश्यकता बनी रहती है; जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण के लक्ष्यों एवं वन्यजीव संरक्षण पर बढ़ते ध्यान ने इस काम का महत्त्व और बढ़ाया है। भर्ती की संरचना ध्यान में रखें: आधे पद पदोन्नति से भरते हैं, इसलिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ कुल पदों की लगभग आधी रहती हैं, और विज्ञप्ति हर वर्ष नहीं आती। प्रतिस्पर्धा का असली फ़िल्टर संख्या नहीं, तीन शर्तों का एक साथ पूरा होना है — निर्धारित विषयों सहित स्नातक, शारीरिक मानक, तथा भारतीय वन सेवा के स्तर की तैयारी। जो अभ्यर्थी तीनों पर एक साथ काम करता है, उसका दायरा उन सबसे छोटा होता है जो केवल आवेदन करते हैं। एक व्यावहारिक बात यह भी है कि इसी तैयारी से यू.पी.एस.सी. की भारतीय वन सेवा परीक्षा भी दी जा सकती है, क्योंकि स्तर एवं विषय दोनों मिलते-जुलते हैं। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. वन रक्षक → सहायक वनपाल → वनपाल — अनुसूची-I की निचली सीढ़ियाँ, जिनसे क्रमशः 7 एवं 2 वर्ष के अनुभव तथा वानिकी प्रशिक्षण विद्यालय के प्रमाण-पत्र पर आगे पदोन्नति होती है
2. वन क्षेत्रीय अधिकारी ग्रेड-II — 100% पदोन्नति से
3. वन क्षेत्रीय अधिकारी ग्रेड-I (रेंजर) — 50% सीधी भर्ती, 50% पदोन्नति से (ग्रेड-II पर 5 वर्ष के अनुभव पर)
4. सहायक वन संरक्षक एवं उससे ऊपर राज्य वन सेवा के पद, जो राजस्थान वन सेवा नियम 1962 के अंतर्गत आते हैं

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹50,000 – ₹70,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹85,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ स्तर पर)

2015 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं। एक बात व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण है और वेतन से अलग है: इस पद पर प्रायः विभागीय आवास रेंज मुख्यालय पर मिलता है, तथा वर्दी एवं क्षेत्र-कार्य से जुड़े भत्ते विभागीय नियमों के अनुसार अलग से मिलते हैं। दूरस्थ नियुक्ति के कारण रहने का खर्च शहरों की तुलना में कम रहता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- प्रकृति एवं वन्यजीव के साथ काम, और वह भी नेतृत्व की भूमिका में
- काम का परिणाम दशकों तक दिखता है
- सामान्य बी.एससी. के विषय ही पात्रता देते हैं — किसी महँगे विशेष पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं
- वही तैयारी यू.पी.एस.सी. की भारतीय वन सेवा परीक्षा में भी काम आती है
- प्रायः विभागीय आवास एवं क्षेत्र-भत्ते मिलते हैं

चुनौतियाँ

- शारीरिक मानक अनिवार्य हैं और उनमें छूट सीमित है
- नियुक्ति दूरस्थ क्षेत्रों में होती है और घंटे अनियमित रहते हैं
- अवैध कटाई, अतिक्रमण एवं खनन के हितों से टकराव इस काम का यथार्थ है
- परीक्षा का स्तर भारतीय वन सेवा के बराबर है, इसलिए तैयारी हल्की नहीं हो सकती
- सामान्य कला अथवा वाणिज्य की डिग्री से यह पद नहीं मिलता

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा नियम, 2015 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/202310060536539542329RFS2015_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. वन विभाग, राजस्थान — https://forest.rajasthan.gov.in/

4. संघ लोक सेवा आयोग — भारतीय वन सेवा परीक्षा, जिसके स्तर के बराबर यह परीक्षा रखी गई है — https://upsc.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in